सत्रीय कार्य

ग्राम विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

पाठ्यक्रम – पी.जी.डी.आर.डी.

2011–2012

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

: पता :

महात्मा गॉंधी दूरस्थ शिक्षा केन्द्र

पोस्ट : हिन्दी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा–442005 (महाराष्ट्र)

फोन/ फैक्स नं. : 07152–247146 वेब साईटः **www.hindivishwa.org**

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित एक केंद्रीय विश्वविद्यालय)

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र

शंभू जोशी
सहायक प्रोफेसर

दिनांक :

पत्रांक :023/09/स.का.फा./31/

ग्रामविकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा सत्रीय कार्य (सत्र 2011-12)

<u>सत्रीय कार्य करने के दिशा निर्देश</u>

प्रिय विद्यार्थी,

आपको ग्रामविकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा में 6 क्रेडिट वाले 4 पाठ्यक्रम के लिए एक-एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा। प्रत्येक सत्रीय कार्य में खण्ड-अ और खण्ड-ब हैं। खण्ड-अ में तीन प्रश्न हैं और अधिकतम अंक 18 हैं और खण्ड-ब में 6 प्रश्न हैं और अधिकतम अंक 12 हैं। आपको सभी प्रश्न करने हैं। खण्ड-अ के प्रश्नों का उत्तर 800 से 1000 शब्दों में और खण्ड-ब के प्रश्नों का उत्तर 200 से 300 शब्दों में देना हैं।

सत्रीय कार्यो को आप **"निदेशक, महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र"** वर्धा में जमा कराएँ तथा आप अपने पास सत्रीय कार्यो की एक फोटोप्रति अनिवार्य रूप से रखें।

प्रस्तुतीकरण :-

आपको सत्रीय कार्यो को निर्धारित तिथि तक जमा कराना होगा ताकि आप संत्रात परीक्षा देने के पात्र हो सकें।

हल किए गए प्रश्नों को निम्नलिखित समय सारणी के अनुसार भेजें।

सत्रीय कार्य कोड	सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि	किसे भेजें
एमआरडी-101 एमआरडी-102 एमआरडी - 103 एमआरडीई -101 परियोजना कार्य -05	*30 अप्रैल 2012*	***निदेशक, महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र*** ***महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय*** ***पोस्ट-मानस मन्दिर, पंचटीला, उमरी, वर्धा-442 001 (महाराष्ट्र)*** ***फोन/ फैक्स नं. : 07152-247146*** **वेब साईटः www.hindivishwa.org**

नोट : अंतिम तिथि के बाद प्राप्त सत्रीय कार्यो को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में बताई गई हर प्रकार की श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यो के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें :

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो

   ख) वाक्यों और अनुच्छदों में स्पष्ट संबंध हो, और

   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही-सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यो के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ-साफ हस्तलिपि में लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्दसीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

(कार्यक्रम संयोजक)

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर-पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
2) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या अवश्य दीजिए।

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा।

नामांकन संख्या : ------------------------------------

नाम : ---

पता : ---

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ---------------------------- -------------------------

सत्रीय कार्य कोड : ---------------------------------- दिनांक : -----------------

----

उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।

3) प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
4) अपनी लिखावट में उत्तर दें।
5) सत्रीय कार्य की उत्तर-पुस्तिका जाँच के लिए ***निदेशक, महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, पोस्ट- मानस मन्दिर, पंचटीला, उमरी, वर्धा-442 001 (महाराष्ट्र) के पास 30 अप्रैल 2012*** तक अवश्य भेज दें। भेजने वाले लिफाफे के ऊपर ***"सत्रीय कार्य पीजीडीआरडी"*** अवश्य लिखें।

नोट : अंतिम तिथि के बाद प्राप्त सत्रीय कार्यो को स्वीकार नहीं किया जाएगा और निरस्त माना जाएगा।

महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

ज्ञान शांति मैत्री

ग्रामविकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा सत्र 2011-12

Post Graduation Diploma in Rural Development

सत्रीय कार्य (Assignment)

विषय : ग्रामविकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
Subject : Post Graduate Diploma in Rural Development
कोर्स शीर्षक : ग्राम विकासः भारतीय संदर्भ
Course Title : Rural Development : Indian Context

विषय कोड : पीजीडीआरडी
Subject Code : PGDRD
कोर्स कोड : एमआरडी -101
Course Code : MRD-101

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks : 30

खण्ड - अ

अधिकतम अंक - 18
Maximum Marks - 18

नोट - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. जजमानी प्रथा पर विस्तृत टिप्पणी कीजिए। 6

प्रश्न 2. विकासशील देशों की विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 6

प्रश्न 3. हरित क्रांति की आलोचनाओं पर अपने विचार प्रकट कीजिए। 6

खण्ड - ब

अधिकतम अंक 12
Maximum Marks - 12

नोट - लघु उत्तरीय प्रश्न। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 4. जनसांख्यिकी आँकड़ों के स्रोतों का उल्लेख कीजिए। 2

प्रश्न 5. सामुदायिक विकास कार्यक्रम की कमियों को बताइए। 2

प्रश्न 6. भारतीय कृषि शोध संस्थान का परिचय दीजिए। 2

प्रश्न 7. जिला ग्राम विकास एजेंसी पर टिप्पणी लिखिए। 2

प्रश्न 8. सामाजिक परिवर्तन/बदलाव के लक्षणों को स्पष्ट कीजिए। 2

प्रश्न 9. सूचना प्रौद्योगिकी और ग्राम विकास पर अपने विचार प्रकट कीजिए। 2

महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

ज्ञान शांति मैत्री

ग्रामविकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा सत्र 2011-12

Post Graduation Diploma in Rural Development

सत्रीय कार्य (Assignment)

विषय : ग्रामविकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
Subject : Post Graduate Diploma in Rural Development
कोर्स शीर्षक : ग्रामविकास कार्यक्रम
Course Title : Rural Deveoplement Programmes

विषय कोड : पीजीडीआरडी
Subject Code : PGDRD
कोर्स कोड : एमआरडी -102
Course Code : MRD-102

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks : 30

खण्ड - अ

अधिकतम अंक - 18
Maximum Marks -18

नोट - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. आईआरडीपी कार्यक्रम क्या है? इसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 6

प्रश्न 2. शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति (1986) का सविस्तार वर्णन कीजिए। 6

प्रश्न 3. संयुक्त वन प्रबंधन में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका की चर्चा कीजिए। 6

खण्ड - ब

अधिकतम अंक 12
Maximum Marks - 12

नोट - लघु उत्तरीय प्रश्न। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 4. ट्राइसेम की उत्पत्ति और उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न 5. इंदिरा आवास योजना में लाभार्थियों का चयन कैसे किया जाता है? 2

प्रश्न 6. ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका पर प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न 7. 'कापार्ट' संस्था पर टिप्पणी लिखिए। 2

प्रश्न 8. समेकित बंजर भूमि विकास कार्यक्रम के उद्देश्य बताइए। 2

प्रश्न 9. मनरेगा कार्यक्रम पर अपने विचार प्रकट कीजिए । 2

महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

ग्रामविकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा सत्र 2011-12

ज्ञान शांति मैत्री

Post Graduation Diploma in Rural Development

सत्रीय कार्य (Assignment)

विषय : ग्रामविकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
Subject : Post Graduate Diploma in Rural Development
कोर्स शीर्षक : ग्रामीण विकास योजना और प्रबंध
Course Title : Rural Development – Planning and Management

विषय कोड : पीजीडीआरडी
Subject Code : PGDRD
कोर्स कोड : एमआरडी -103
Course Code : MRD-103

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks : 30

खण्ड - अ

अधिकतम अंक - 18
Maximum Marks -18

नोट - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. संसाधनों से आपका क्या आशय है? संसाधनों के विभिन्न आयामों को बताइए। 6
प्रश्न 2. परियोजना के विभिन्न आयामों का वर्णन कीजिए। 6
प्रश्न 3. स्वैच्छिक संगठनों की समस्याओं पर प्रकाश डालिए। 6

खण्ड - ब

अधिकतम अंक 12
Maximum Marks - 12

नोट - लघु उत्तरीय प्रश्न। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 4. आधार स्तर योजना क्या है? 2
प्रश्न 5. परिप्रेक्ष्य जिला योजना पर टिप्पणी लिखिए। 2
प्रश्न 6. परियोजना प्रबंध सूचना प्रणाली का आशय स्पष्ट कीजिए। 2
प्रश्न 7. मूल्याँकन हेतु आवश्यक पूर्व शर्तो का उल्लेख कीजिए। 2
प्रश्न 8. एनजीओ की सीमाओं को स्पष्ट कीजिए। 2
प्रश्न 9. समुदाय के साथ काम करने के सिद्धांत की चर्चा कीजिए। 2

महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केन्द्र

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

ग्रामविकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा सत्र 2011-12

Post Graduation Diploma in Rural Development

सत्रीय कार्य (Assignment)

विषय : ग्रामविकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
Subject : Post Graduate Diploma in Rural Development
कोर्स शीर्षक : ग्रामीण सामाजिक विकास
Course Title : Rural Social Development

विषय कोड : पीजीडीआरडी
Subject Code : PGDRD
कोर्स कोड : एमआरडीई -101
Course Code : MRDE-101

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks : 30

खण्ड - अ

अधिकतम अंक - 18
Maximum Marks -18

नोट - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. समेकित बाल विकास सेवाओं के निष्पादन पर प्रकाश डालिए। 6

प्रश्न 2. बंधुआ मजदूरी समाप्त करने के उपायों का वर्णन कीजिए। 6

प्रश्न 3. अनुसूचित जातियां एवं अनुसूचित जनजातियां(अत्याचार निवारण) अधिनियम,1989 का आलोचनात्मक उल्लेख कीजिए। 6

खण्ड - ब

अधिकतम अंक 12
Maximum Marks - 12

नोट - लघु उत्तरीय प्रश्न। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 4. हिंदू विवाह अधिनियम की चर्चा कीजिए। 2

प्रश्न 5. राष्ट्रीय बालिका प्राथमिक स्तरीय शिक्षा कार्यक्रम पर टिप्पणी कीजिए। 2

प्रश्न 6. लैंगिकता सशक्तिकरण कसौटी का उल्लेख कीजिए। 2

प्रश्न 7. राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण नीति का परिचय दीजिए। 2

प्रश्न 8. खादी और ग्रामोद्योग कमीशन पर टिप्पणी लिखिए। 2

प्रश्न 9. राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग अधिनियम,1993 की चर्चा कीजिए। 2

महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केन्द्र

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

ग्रामविकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा सत्र 2011-12

Post Graduate Diploma in Rural Development

सत्रीय कार्य (Assignment)

ज्ञान शांति मैत्री

विषय : ग्रामविकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
Subject : Post Graduate Diploma in Rural Development
कोर्स शीर्षक : शोध एवं परियोजना कार्य
Course Title : Research and Project Work

विषय कोड : पीजीडीआरडी
Subject Code : PGDRD
कोर्स कोड : आरडीडी -5
Course Code : RDD 5

अधिकतम अंक : 100
Maximum Marks : 100

परियोजना कार्य

डिप्लोमा कार्यक्रम का पाठ्यक्रम आर.डी.डी.-5 एक परियोजना कार्य है। आप अपनी पसंद के एक विषय पर परियोजना कार्य कर सकते है। परियोजना कार्य, ग्राम विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह एक ऐसा अप्रत्यक्ष तरीका है जिसके माध्यम से आपको ग्रामीण जीवन और समस्याओं के संबंध में व्यवस्थित रूप से नई जानकारी मिलने में मदद मिलेगी। यह नए तथ्य एकत्र करने, उनकी तालिका बनाने, विश्लेषण करने और उपलब्धियों पर विचार-विमर्श करने की व्यवस्थित पद्धति है। परियोजना कार्य के द्वारा आप ग्रामीण क्षेत्रों की कुछ समस्याओं को अच्छी तरह से जान सकेंगे। परियोजना कार्य के अन्त में आपको परियोजना रिपोर्ट लिखनी होती है।

परियोजना कार्य के विभिन्न चरण

परियोजना कार्य को पूरा करने में कुछ चरण शामिल हैं-

i) विषय का चयन :-

किसी भी शोध कार्य के लिए पहला चरण, विषय का चयन होता है। हमारी सलाह है कि आप ऐसा विषय चुनिए जिसके अपेक्षित संसाधन आपको उपलब्ध हों। शीर्षक चुनने का एक तरीका यह होगा कि आप पी.जी.डी.आर.डी. कार्यक्रम की पाठ्यक्रम सामग्री में दी हुई विभिन्न इकाइयों का अध्ययन करें। ये इकाइयां आपको विस्तृत विकल्प प्रदान करेंगी, जिसके आधार पर आप ग्राम विकास से संबंधित किसी भी पहलू का अध्ययन कर सकते हैं। ऐसा विषय चुनिए जो आपकी रूचि का हो, अति महत्वकांक्षी नहीं हों।

ii) आंकड़ा संग्रहण के साधन तैयार करना :-

ग्राम विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के विद्यार्थी अनुभवजन्य (आनुभाविक) अध्ययन कर सकते हैं। अनुभवजन्य अध्ययनों में आप साक्षात्कार अनुसूची, साक्षात्कार गाइड और प्रेक्षण जैसे साधनों का प्रयोग कर सकते हैं।

iii) आंकड़ा संग्रहण :-

''ग्राम विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा'' कार्यक्रम का एक उद्देश्य यह है कि आप कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में जाएं, लोगों के जीवन को देखें,अनुभव करें,उनसे बातचीत करें और परस्पर संपर्क बनाएं। जब आपके पास आंकड़ा संग्रहण के साधन हो जाएं तो आप आंकड़ा संग्रहण का वास्तविक कार्य आरंभ कर सकते हैं। आपको अपने उत्तरदाताओं के साथ तालमेल स्थापित करना होगा और विस्तृत क्षेत्र नोट (Extensive Notes) तैयार करने होंगे। वांछित आंकड़ों को एकत्र करने के लिए आपको कई बार अपने अध्ययन क्षेत्र में जाना होगा। इससे आपको हतोत्साहित नहीं होना है। जितना अधिक परस्पर संपर्क होगा उतने अधिक अच्छे परिणाम होंगे।

iv) आंकडा विश्लेषण :-

परियोजना कार्य में आंकड़ा विश्लेषण बहुत ही महत्वपूर्ण चरण है। आपको अपनी अनुसूचियों और फील्ड नोट की संवीक्षा करनी चाहिए उन्हें ठीक करना चाहिए और प्रत्येक उत्तर के साथ उचित कोड देना चाहिए तथा संगणना एवं तालिका के लिए मुख्य चार्ट में इन्हें सावधानीपूर्वक अंकित करना चाहिए। तब तालिका कार्य पूरा हो जाए तो तालिकाबद्ध आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए विभिन्न सांख्यिकीय तकनीकों का प्रयोग करना चाहिए। प्रेक्षण, साक्षात्कार गाइड और केस अध्ययनों के माध्यम से एकत्र की गई सूचना को सहायक साक्ष्य के रूप में प्रयोग करें।

v) रिपोर्ट लेखन :-

आंकड़ा संग्रहण और तालिका पूरी करने के बाद आप परियोजना रिपोर्ट लिखें।

परियोजना कार्य भेजना :-

60-70 पृष्ठों में डबल स्पेस में टाइप हुई रिपोर्ट अच्छी प्रकार जिल्द में बांधकर भेजनी होगी।

आप रिपोर्ट के एक भाग के रूप में इस आशय का एक घोषणा-पत्र (संलग्न परिशिष्ट -1)प्रस्तुत करें कि किया गया कार्य, मूल कार्य है और किसी भी अध्ययन पाठ्यक्रम की शर्त को पूरा करने के लिए किसी भी विश्वविद्यालय या अन्य संस्था को पहले प्रस्तुत नहीं किया गया है।

परियोजना कार्य में विद्यार्थी की नामांकन संख्या, कार्यक्रम, नाम और पता अवश्य होना चाहिए। आपको परियोजना रिपोर्ट और स्वीकृत परियोजना प्रस्ताव की एक प्रति रखनी चाहिए। विश्वविद्यालय को भेजी गई रिपोर्ट, विद्यार्थी को लौटाई नहीं जाएगी।

नोट : विद्यार्थी यह ध्यान में रखे कि इस परियोजना कार्य का उद्देश्य उन्हें गाँवों में होने वाले विभिन्न विकास कार्यक्रमों की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना है। अतः विद्यार्थी किसी परियोजना के व्यावहारिक क्रियान्वयन को अपना परियोजना कार्य बना सकता है। केवल परियोजना की जानकारी देना पर्याप्त नहीं है अपितु उस परियोजना का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर आपके आस-पास के गाँवों में किस तरह हो रहा है ? इसकी जानकारी विद्यार्थी को अपने परियोजना कार्य के जरिए मिल सकती है। अतः विद्यार्थी परियोजना कार्य में फील्ड वर्क अवश्य करे। हर विद्यार्थी से यह आशा की जाती है कि वह अलग-अलग विषयों पर अपना परियोजना कार्य सम्पन्न करेगा। किसी अन्य की फोटोकॉपी करना और उसे अपने नाम से जमा कराना अस्वीकार्य है।

घोषणा

मैं एतद् द्वारा यह घोषणा करता हूँ कि मेरे द्वारा महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र को भेजा गया परियोजना कार्य जिसका शीर्षक .... है, ग्राम विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा का आंशिक भाग है और यह मेरा स्वयं का मूल कार्य है और किसी अन्य अध्ययन कार्यक्रम की शर्त को पूरा करने के लिए न तो महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा केंद्र और न ही किसी अन्य संस्था को पहले भेजा गया है।

हस्ताक्षर

विद्यार्थी की नामाकंन संख्या

नाम और पता

स्थान

तारीख

प्रस्तावित विषय

गाँव/कस्बा/शहर/जिला (या ग्राम पंचायत/पंचायत समिति/जिला परिषद्) किसी भी स्तर पर आप निम्नलिखित विषयों से जुड़े परियोजना कार्य कर सकते हैं -

1. महिला सशक्तिकरण की परियोजना, उसकी स्थिति एवं प्रभाव
2. अनुसूचित जातियों के सशक्तिकरण की योजनाएं, उसकी स्थिति एवं प्रभाव
3. अनुसूचित जनजातियों के सशक्तिकरण की योजनाएं, उसकी स्थिति एवं प्रभाव
4. शिक्षा के स्तरों (प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक) की स्थिति
5. पेयजल स्थिति से जुड़े सवाल
6. ग्राम स्वच्छता से जुड़े मुद्दे
7. महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना से जुड़े मुद्दे
8. रोजगारमूलक विकास योजनाओं की स्थिति
9. स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति
10. विद्युतीकरण की स्थिति
11. जल संरक्षण से जुड़ी सरकारी योजनाओं की स्थिति
12. साक्षरता संबंधी प्रयास एवं उनकी समीक्षा
13. सरकारी आवास संबंधी योजनाओं की समीक्षा
14. कृषि के पूरक उद्योगों से संबंधित मुद्दे (पशुधन आदि)

इनके अतिरिक्त विद्यार्थी किसी अन्य विषय पर भी परियोजना कार्य कर सकते हैं, इस संबंध में वे एक बार कार्यक्रम संयोजक से दूरभाष क्रमांक ***07152-247146*** **पर प्रातः 11.00 से सांय 04.00 बजे तक** बातचीत अवश्य कर लें।